𑆥𑇀𑆫𑆮𑆟𑇀𑆟𑆳𑆮𑇀𑆪𑆬𑆴𑆜𑆼𑆥𑆝𑆴𑆰𑇀𑆮𑆴𑆥𑆼𑆪𑆼𑆰𑆴𑆠𑆩𑇀𑆨𑆓𑆟𑇀𑆟𑆳𑆪𑆼𑆠𑆴𑆠𑆴𑇅
𑆯𑇀𑆫𑆵𑆖𑆤𑇀𑆠𑆼𑆯𑇀𑆮𑆼𑆝𑆴𑆩𑆲𑆷𑆪𑆼𑆠𑆴𑆤𑆴𑆯𑇀𑆫𑆶𑆩𑆠𑆫𑆩𑆸𑆟𑇀𑆪𑆼𑆂𑆥𑆫𑆤𑇀𑆢𑆁𑇅
𑆱𑇀𑆮𑆼𑆯𑆂𑆥𑇀𑆫𑆖𑆟𑇀𑆟𑆳𑆂𑆯𑆼𑆮𑆲𑇀𑆬𑆴𑆮𑆬𑆁𑇅 𑆩𑆲𑆟𑇀𑆟𑆳𑆂𑆨𑇀𑆫𑆷𑆑𑆷
𑆬𑆴𑆧𑇀𑆫𑆷𑆩𑆩𑇅 𑆱𑇀𑆪𑆥𑆓𑆟𑇀𑆟𑆳𑆂𑆲𑇀𑆬𑆼𑆰𑇀𑆟𑆶𑆬𑆴𑆤𑆪𑇅 𑆲𑆝𑆴𑆥𑆮
𑆲𑇀𑆩𑆥𑆤𑆫𑆩𑇀𑆲𑆬𑆴 𑇆

ॐ नमः श्रीकुबेरस्वामिने यक्षेन्द्राय नमः ॥ मङ्गलं ॥
ॐ श्रीधनदकवचम् ॥ ॐ एवमेव भगवान् एव अ-
चलात्रुविसर्जनम् । कथं लाभमुत्पत्तिर्धनस्य
विलयं । सत्यं यदि तत्त्वं तद्वद मम त्रैलोक्यपि-
तः । ईश्वरः श्रीकुबेरस्य दानमात्रं मुनीनामस्य कथं ।
कथयस्व महादेव यद्यहं देवी सुभगा तव ॥ श्री
महादेवः ॥ शृणु वक्ष्ये त्वया देवि धनदं कवचं दि-
व्यं यत् । यस्य स्मरणमात्रेण मम त्रैलोक्यं वशे-
ऽपि । यस्याः स्मरणमात्रेण मम धनैः पूर्णं सदा ।
सुगन्धस्य वक्षः श्रीवत्सकौस्तुभं मम यः । अस्य
महाकवचस्य कथयामि महाभाग्यतः ॥ ॐ अस्य श्री
कुबेरस्य श्रीमहाकवचमन्त्रस्य महर्षिः ऋषिः
पङ्क्तिश्छन्दः श्रीकुबेरस्वामी देवता धनद
कृपया सिद्ध्यर्थे महाकवचपाठे विनियोगः ॥
ॐ धनदं सिद्धिदं सिद्धिमन्तं किरीटहारकुण्डलाद्यैः
रत्नयुक्तम् अतिशोभितं वरदं भुजपाशं धारिणम्
ॐ कुबेरं त्रैलोक्ये कुबेरं नमामि । नमस्ते ३ ॥

कु॰ आ॰
०

ओं तिष्टु कलयावते सित सिंहे त्रिभुवनेश
श्रीं, तत्त्वं पञ्चत्रिंशत् सिन्धुरं सितसिंहेश्वरं
तव, यदि सिंहि पर भित्त ठनवतीं ठं दित्रं
सं परं पञ्चत्रीमत मष्टमा विद्वत्रि त्रिस्त्रेणमम
वीणगी ॥ ओं भुवनेश्यै, मयायै, परमसत्त्वायै,
श्रीं ह्रीं क्लीं भुवनेश्वर्यै, भुवनायै, ठवनायै, ठ
ष्टुयै, ठवष्टै, ठवठविष्टै, नष्टुलैः, ॰ नष्टु
तत्त्वायै, नष्टुप्रियायै, मष्टे, उमायै, कष्टय
द्रै, रुन्नायै, मङ्गलायै, अचमङ्गलायै, श्रिय
न्यै, परमेसष्टै, ओं भुवदे, भुवनप्रियायै,
रमण्यै, रमष्टै, नमायै, नमकदकदे, सु
ठयै, ह्रूं ह्रैः, नन्यवष्टैं, मञ्जुयै, मञ्जुस्त्र्यै, म
ञ्जनयकयै, भादिस्वदे, कैसदे, ममह्रैं, प्रय
ममितये, मदनमयायै, भञ्जकेष्टे, मदनश्रि
यत्रदे, भुवनीमेठनायै, तत्त्वायै, तत्त्वपद्मीयिका

पीठे। रक्ताक्ष्यै। रक्तवस्त्रायै। रक्तगन्धानुलिप्ताङ्ग्यै।
रक्तमाल्याभिभूषितायै। रक्तभक्ष्यप्रियासक्त्यै। कप
लायै। कामिन्यै। कान्तायै। कमलेश्वरप्रियासक्त्यै।
लक्ष्म्यै। लोलायै। मङ्गलाक्ष्यै। मङ्गलायै। मङ्गल
प्रियायै। [illegible]। [illegible]। [illegible]।
[illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]।
[illegible]। [illegible]। [illegible]
[illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]
[illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]।
[illegible]। [illegible]। [illegible]।
[illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]। कपालि
न्यै। [illegible]। कालिकायै। [illegible]। [illegible]
[illegible]। [illegible]। कपालाप
[illegible]। [illegible]। [illegible]।
[illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]

कु
सं
६

गुह्यवल्लभायै। गेयायै। गुह्यमात्रे। गम्भीरायै। ८० ग
ह्वरपिष्ठायै। घनदायै। घोरमुख्यै। घनमात्रे। अघम
र्दनायै। घोरतुण्डायै। घोरदंष्ट्रायै। घोरदैत्यम
र्दनायै। ङमदायै। चालिकायै ९० चण्डायै। चण्डमु
ण्डपणिन्यै। जयायै। जयन्तीरूपायै। जयन्तीरम
णिकायै। जीवभूतायै। झङ्कारप्रियायै। झिल्लिकायै। झ
ष्यै। ञकाररूपायै १०० टङ्कधारिण्यै। टङ्करूपा
यै। ठक्कुरायै। डमरुकायै। डमरुप्रियायै। ढक्कामात्रे।
ढक्करूपायै। ढक्कावादनशीलायै। णकारिण्यै।
णमात्रे। तन्व्यै ११० तपोमात्रे। तपस्विन्यै। तपस्वि
न्यै। तापितायै। तारिण्यै। तापनप्रियायै। स्थ
लायै। स्थावरायै। स्थाणुवल्लभायै। दम
यन्त्यै। दयायै। दक्षायै। दक्षाः सिद्धिप्रदायिन्यै। ध
नेश्वर्यै। धनदायै। धनुष्कविनाशिन्यै। न
न्दिनीप्रियायै। नन्दायै। नर्मदायै। १२० नर्मवल्ल
भायै। नीलायै। नन्दायै। नरतुण्डायै। नीलायै।

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ह्रूँयै। सर्वज्ञाभिन्नायै। भगवत्कुलकन्यायै। भक्तिप्रश्र-
यप्राप्तायै। निष्प्रपञ्चप्रपञ्चभक्तायै। सङ्गासङ्गविगमि-
तायै। शिवायै। शिवरूपायै। ८०। शिवरुद्रायै। शिवप्रिया-
यै। शिवपत्न्यै। शिवकलाकृत्यै। सर्वार्थायै। शिवक-
न्यायै। उग्रायै। उग्रकरायै। सर्वाकरायै। भव-
प्रियायै। ९०। लज्जाशीलायै। सर्वशीलायै। कुल-
भूत्यै। कुलकुण्डिकायै। अकुलीनायै। निष्कु-
लायै। निष्कलायै। कुलकुण्डलिन्यै। कुलीनायै।
कुलकरायै। १००। कुलकुण्डलिन्यै। सर्वगायै। स-
र्वमङ्गलायै। सर्वान्तरगामिन्यै। शिवभक्तानन्द-
मय्यै। वाञ्छितार्थप्रदायिन्यै। ज्ञानाढ्यायै। ज्ञानरूपा-
यै। ज्ञानदानप्रदायिन्यै। अनुलोमगामिन्यै। ११०।
पद्मायै। भगाभिन्नरूपायै। डाकिन्यै। राकि-
ण्यै। लाकिन्यै। काकिन्यै। कुब्जायै। रुद्रायै। पिशाच्यै।
यक्षिण्यै। १२०। पद्मशिवायै। पद्मायै। कीर्त्यै। भद्रायै।
शरण्यै। अमृतायै। भक्त्यै। सर्वकरायै। महादेवमातृप्रियायै। १३०।

कुं।
सं ४

सेनायै। ह्रैं। श्रैं। अनन्तायै। महापद्मासनायै।
महापद्मासनान्तायै। ध्रुवाद्यै। अनन्तमायायै। ध्रुव
नपालिन्यै। शालिकाशालु ह्रींसुदेश्व ३ ॥
इति स्तुण्डाद्ययेसिपापराअरेअङ्कयअणअंयी
ईशानीसात्तअतानकरुपीयूषकल्लोलिनी
भी। हं अतह्लपतेनिद्रुमनिरड्डेताअताश्रु
सादृशभ्रूस्थूलकैः श्रूत्रुभलकैरङ्गनितृङ्ग
निभे ॥ इति ह्रींश्रीश्रैतायै। मङ्गमापरकुरुयै।
सितुनकारीकृतै। सानश्रुसितुअंशुयै। सतुप
यै। अचकुपायै। रक्तकुपायै। सिंसङ्गिकायै। सुन
तुकुपिष्टै। निष्टायै ० श्रुतृकसायितै। असान्द
यै। असचितुयै। आपकानकसायितै। उत्सीव
नितायै। ठष्टायै। ठपिकायै। विठावितै। सङ्कश्र
दसअसीतुयै। श्रदवङ्कतिपालितै ४ नाभिं
है। दयग्रीवायै। शिरश्चाविनासितै। ये श्रूतै।
विस्कुठकुयै। आलिसूअनिवासितै। आतुकुरुयै।
मधुकुरुयै। अजमुकुसांस्थितयै। सुदृक

[illegible]

[illegible] । [illegible] १० [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible] २० [illegible] ।
[illegible]पाण्यै । [illegible]पाण्यै । शङ्खपाण्यै । [illegible] । [illegible]
[illegible]पाण्यै । [illegible]पाण्यै । [illegible] । [illegible] ।
[illegible] ३० [illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible] ४० [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible]पाण्यै । शङ्खपाण्यै । [illegible]पाण्यै । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] । [illegible] । ५०
[illegible] । [illegible] । [illegible]
पाण्यै । [illegible] । [illegible] । [illegible]पाण्यै । कालि-
कायै । लक्ष्मी[illegible] । महालक्ष्म्यै । महालक्ष्मी
[illegible] । [illegible] । [illegible]पाण्यै । [illegible]
[illegible]यै ।

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

गृह्नितायै। गृह्णीयायै। भववाङ्कुरमायिन्यै। ठनलि
कर्भैकायै। ठनलिङ्गविवाभिन्यै। ठन्तुपायै। ठन
यै। ठष्टायै। लिङ्कतुपायै। ०° लिङ्कतुपिन्यै। ठननी
न्यै। भकश्रीन्यै। लिङ्कानीन्यै। भकभावायै। श्रुयकु
तुत्रभावायै। श्रुयकुत्रभक्षियायै। सुक्तुप
यै। भकतुपायै। सुक्तुविक्तुविवाभिन्यै। ७° सुकु
क्तुयै। सुत्रिलीकुपायै। सुकुभलकमलितायै। क
भायै। कभतुपायै। येनिनीपी°वाभिन्यै। भवपी
०भयीकिन्यै। पी°भस्तविवाभिन्यै। भक्षभल
ठनस्त्रै। पनयकषिकायिन्यै। ७ं। सुल्लिन्यै। सु
लकसुयै। पासिन्यै। पभतुपिन्यै। पक्षिन्यै। गकि
न्यै। भवसुणविन्यै। ठसुयै। ठष्टायै। ठवनीयायै।
रु° ठवभक्तिमायिन्यै। भक्तुयै। भक्तभीकुयै।
भक्तुयनपुकिलिकुयै। मेवभष्टयै। मेवभष्टयै।
भवप्रष्टयै। भुस्रदे। भानन्यै। भानतुपायै। भा
नं मितुकविन्यै। भाभिलयै। कभवतुयै। प
कन्यै।

कं पं ९

केसवाह्निकायै। सुद्धिं भक्षुवकायै। ह्रुष्टायै। भचड्ड
धवित्र्भिद्रै। ज्जुगिद्रै। अभ्रिद्रै। ११। मेदिद्रै।
भवगायै। सम्भव्यै। ह्रीड्यायै। ह्रीं ठक्कापलायै।
ह्रियाक्क ॥ कलिक्कायै। भवक्लृयै। भवकदयै।
भचगमायै। भगाविभ्रै। ११। भवडुपायै। भवम
त्रुयै। भचंभस्प ॥ ज्जुपिट्टे। सध्जिभुजिडिकीसट्टै।
मलयकलिट्टे। भक्तुयै। भत्तुै। भेडे। रघ्नमुडि
विण्णिट्टै। ऐं ह्रीं श्रीं मलान्नीमाट्टै। ३· ऐं ह्रीं श्रीं
मंमलाणुडियायै। ऐं ह्रीं मायभूमयै। ऐं ह्रीं मलाय
यै। ह्रीं मलायवचिट्टै। ऐं ह्रीं श्रीं वं मलाणमडे। श्रीं क्लीं
मलाणड्डाभूमयै। ऐं श्रीं मं मामिट्टै। ह्रीं क्लीं मलायम
यै। श्रीं मलालवुगायै। ऐं क्लीं ह्रूं डिभ्रृटे। ७· ऐं मं
मलवट्टै। श्रीं मलाणुगायै। ऐं श्रीं मं मलाणड्डै। ह्रीं श्रीं म
भ्रूयै। ऐं मलायममूयायै। ऐं श्रीं मं अः मलाणमडे।
ऐं मं मलाणमुयहृदे। ऐं श्रीं क्लीं मनद्दे। श्रीं क्लीं ह्रीं
मडुपिट्टे। भुलनभुलु ऐं श्रीं ह्रीं मभूवलम
येश्वदव ॥ ऐं भुशिवाण्डवभिन्नुविन्नुभवं

णोत्तमकं मातृकं। येनात्तु कार्येण तृतीयमथ गीत
हृदयं दृष्टयन्त्रं मन्त्रं मातृकया विलेमविधिमेव मन्त्र
यन्त्र शिरः। यमात्तु नवया मन्त्रवरिमया मन्त्र
मन्त्रसाधृत ॥ ॐ श्रीं नमः सप्तवल्लभाये। ॐ श्रीं क्लीं
सप्तमी सिन्धुये। ॐ श्रीं सप्तद्वयेधुमाये। ॐ क्लीं कम
लपत्राक्षे। ॐ श्रीं क्लीं ह्रीं कमिते। ॐ ह्रुं धीराधाये।
ॐ श्रीं क्लीं धीरस्वरूपाये। ॐ नंदनल्लमदे। ॐ श्रीं सि
ववामत्ववामिते। ॐ श्रीं सिवधूम्रये स्वाहा। १०।
ॐ श्रीं सीतउपप्रियाये। ॐ श्रीं ह्रुं नललमाड़। ॐ श्रीं क्लीं
तुलिसाण्डे। ॐ श्रीं नललमाड़। ॐ श्रीं सकुलवल्लभा
ये। ॐ श्रीं क्लीं सीतलान्हे। श्रीं सीतुलाये। ॐ सिवसुदे।
ॐ श्रीं ग्लं सासस्वाभुये। ॐ श्रीं सानिसदे। २०। ॐ नं
धंधधूम्रस्वये। ॐ सीन तिप्रियाये। समीः धरि
ष्टे। नीधपश्वतः भये। ॐ नीणनुचसे विज्ञाये। ॐ
नीश्रीं निमहेस्वाहा। ॐ नीनीः ॐ नललप्रियाये।
ॐ नीनिद्दे। समीः निधये। ॐ नीधत्रं सुलेमना
ये। ३०। ॐ श्रीं समीः मदीधतये। ॐ श्रीं धतर

कुं
मं
३

वज्ञुलायै। ठिंभूं श्रीं धेरनुपायै। ठिंभीं ड्रीं नम्ह्रे।
दभः नमः पायै। भीं दभः तुह्रे। ठिंश्रीं भीं नमह्र
ज्ञिडायै। ठिंश्रीं नमः नवभ्रूयै। ठिंभीं नमः चमारि
ह्रे। ठिंश्रीं भींक्लीं नमुह्रे। ८। ठिंश्रीं धेरहूहे। ठिं
श्रीं भीं नहुचनमःअविडायै। भीं नमः यह्रे। ठिंश्रीं द
भः नमः निभूं। ठिंभीं नमःकमविडायै। ठिंश्रीं उ
भहेश्वरि। श्रींक्लीं दभः नमः नोदे। ठिंश्रीं भीं
नहुपायै। ठिंभीं नेरनुपायै। ठिंश्रीं भींक्लीं नमःद
भुयै। ९। ठिंभीं दभः पयमपिमयै। ठिंश्रीं क्लीं
नहुनुपायै। ठिं दभः श्रमाप्र पयमे। ठिंश्रीं भीं धे
रवमायै। दभः धेरकमपयमे। ठिंश्रींक्लीं कं
भलह्रे। ठिंड्रीं कलमयहूदे। ठिंड्रीं कपदकमु
यै। ड्रींड्रीं कमन्वदे। दभः ड्रींश्रीं कनकवलायै। ठि
ड्रीं कनकडुधिडायै। ठिंड्रीं कल्हे। दभः कनुयै।
ड्रींह्रीं कनःहुधिष्टे। ड्रींश्रींॐ रभियायै। ड्रींक्रीं इ
क्रूयै। ड्रीं ज्ञुलमुदे। ठि ड्रीं कभुलवसुयै। ड्रींपी
उभुस्मविडायै। ड्रींभीं दभः जुलहे कीहे १०। ड्रींश्री
क्लींक्लिं मदनिहेश्वरि।

ऐं ह्रीं क्लीं कमलयान्यै। ह्रीं क्रीं हूं कङ्कट्यै। नमः ऐं श्रीं ह्रीं
कमलजन्मने। ह्रीं श्रीं क्लीं कमलकोटराय। ह्रीं श्रीं हूं न
गवायै। ह्रीं श्रीं नमः कस्तूरीप्रमितायै। ऐं ह्रीं ओं गु
रुप्यै। ऐं श्रीं ह्रीं कर्पूरग्रन्थ्यै। ऐं ह्रीं श्रीं हूं कालेश्यै।
ॐ ह्रीं हुं कमण्डलुभिम्भास्यै। ऐं ह्रीं नमः स्वाहा
कुण्ड्यै। ऐं ह्रीं किम्पमहिष्यै। ऐं श्रीं कङ्काल्यै। नमः ऐं
श्रीं हूं ओं हूं भ्रमायकृद्दे। ऐं श्रीं कैकिकायै। ह्रीं श्रीं
क्लीं कपालीकलक्षितायै। ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं कवेन्द्रे। ऐं
ह्रीं कपर्दिप्रिये। ऐं ह्रीं क्लीं कम्भले। ॐ ह्रीं श्रीं ह्रीं
कलिककण्ठायै। नमः स्वाहा कलिकायै। श्रीं क्लीं
ऐं ह्रीं श्रीं हूं चिलिलकायै। ऐं ह्रीं श्रीं हूं चिलहवे। ह्रीं
हूं हूं चिलद्रुपिष्टे। ऐं ह्रीं ह्रीं हूं ओं कमलनन्दायै।
ऐं ह्रीं ऐं श्रीं क्लीं कालिनीकण्ठभद्रायै। ह्रीं क्लीं क
रुशत्रुपिष्टे। ऐं कटुत्वङ्मुण्ड्यै। भलेन्दुलन।
ऐं ह्रीं नमः कलवतीकल्पायै स्वाहा १०० ॥
इति श्रीमत्कुलार्णवे सुन्दरीसहस्रनामस्तोत्रे
श्रीदलविमोलपदकण्ठं सूत्रयामिति श्रीसिद्धिं।

कु॰ स॰ ७

वीणापुस्तकधारिणी वलयं ... ।
... स्तुतिः ... ॥
ॐ नमः कमलायै । ह्रीं कमलनिधिसोपानायै । ॐ ह्रीं श्रीं
... । ॐ ह्रीं ... । ॐ ह्रीं ...
... । ॐ ह्रीं श्रीं ... । ॐ ह्रीं ...
... । ॐ सं ... मण्डलायै । ॐ सं ... । हुं ह्रीं
नमः ... । ॐ ह्रीं ... प्रियायै ।
... । श्रीं ... । ॐ श्रीं ... कालिनी
... नमः ॐ ... । ह्रीं ... ।
ह्रीं श्रीं कमलवासिन्यै । ॐ ह्रीं नमः ... लीलायै ।
ॐ ह्रीं कमलविलासिन्यै । ॐ ह्रीं कमलप्रियायै । ॐ ... ह्रीं
नमः कलकल ... । ॐ ह्रीं श्रीं ... । ह्रीं
श्रीं ... । ॐ ह्रीं ... । ह्रीं श्रीं
... । ॐ श्रीं ... । ॐ श्रीं ॐ श्रीं
ह्रीं श्रीं ... । ॐ ह्रीं ह्रीं ... ।
ॐ श्रीं नमः ... । ॐ ह्रीं ... । ॐ ह्रीं श्रीं
... प्रियकायै । ॐ क्लीं ... । ॐ श्रीं नमः ...
... । ॐ श्रीं नमः ... । ॐ श्रीं ... ।

ॐ ह्रीं हिमवन्नाथपत्न्यै। ॐ श्रीं उत्पलकुसुमायै। ॐ ह्रीं
उग्रमठायै। ॐ श्रीं उग्रस्वदेश्वर्यै। ॐ श्रीं उग्रवकुलायै।
८: ॐ ह्रीं मधुकरकुसुमप्रियायै। ॐ श्रीं मधुकरमालिन्यै।
ॐ श्रीं मधुकरवल्लभायै। ॐ ह्रीं श्रीं मं ॐ श्रीं मृणालकन्दुक
भैरवेश्वर्यै। ॐ श्रीं मेघपर्यङ्कस्थायै। ॐ श्रीं मेघाङ्गिपुष्ट
यै। ॐ ह्रीं मेघविभूषितायै। ॐ श्रीं कुसुमाविकसितायै। ॐ
श्रीं कुसुमविकसितायै। ॐ श्रीं कमलनिलयायै। ५: ॐ श्रीं
कमलकुसुमप्रियायै। ॐ ह्रीं ॐ ह्रीं कदम्बदलमालाधर
वर्णायै। ॐ ह्रीं कर्णिकामध्यगायै। ॐ ह्रीं कं कर्णिकानाभि
कायै। ॐ ह्रीं कुरुकुल्लाक्षयेश्वर्यै। ॐ ह्रीं कुरुकुल्लायै। ॐ
श्रीं कुरुसुरायै। श्रीं क्लीं श्रीं ह्रीं कुरुकाविद्रावणायै। ॐ ह्रीं कु
रुमुखेश्वर्यै। ॐ श्रीं क्लीं ॐ श्रीं कुसुमभूषणभूषितायै
श्वर्यै ९०। ॐ ह्रीं पीताम्बरधारिण्यै। ॐ श्रीं ह्रीं भि
त्रसंयुक्तायै। ॐ श्रीं ह्रीं भैः भगवत्यै। ॐ श्रीं ह्रीं कं
भगमालिन्यै। ॐ श्रीं भयविवर्जितायै। ॐ श्रीं भद्रकुल
यै। ॐ श्रीं भद्रपदीविदितायै। ॐ ह्रीं भैः भद्रकर्ण्यै।
ॐ ह्रीं भद्रमनःप्रियायै। ॐ भैः क्लीं भद्रकुण्डलायै।
९०। ॐ श्रीं भगमालिन्यै। ॐ श्रीं भद्रानिभवदनायै।

कुं० श्रु० ०

ॐ श्रीं प्रतिमानधरिये । ॐ नमः भ्रदेवुजयनाये । ॐ क्लीं प्र
दयुतधारियै । ॐ श्रीं प्रकटुरूपायै । ॐ ह्रीं श्रीं ॐ श्रीं क्लीं
ह्रीं भुवनेश्वर्यै । ॐ ह्रीं भद्रुरूपिण्यै । ॐ श्रीं क्लीं भ
वमधुर्यै । ॐ श्रीं भविष्वदे । ३ । ॐ श्रीं मोक्षदे । ॐ ह्रीं ॐ
सकलिकायै । ॐ श्रीं नमः श्रुभ्रयै स्वाहा । ॐ श्रीं ह्रीं
मयदे । ॐ श्रीं क्लीं ॐ श्रीं क्लीं मचरीमजुरूपिण्यै । ॐ ह्रीं श्रीं
मीण्मत्रे । ॐ श्रीं क्लीं मालिके । ॐ क्लीं नमः मीडमदे ।
ॐ श्रीं क्लीं मालायै । ॐ श्रीं कं मालिकायै स्वाहा । ७ । ॐ श्रीं
मक्षुदे । ॐ श्रीं क्लीं सिवरूपायै । ॐ श्रीं क्लीं कलमालिके ।
ॐ यं यमूलस्वदे स्वाहा । ॐ श्रीं भमयद्रुप्रियायै । ॐ क्लीं
यं यमूलरूपायै । ॐ श्रीं यं यमूलसिद्धायै । ॐ श्रीं यं
सिद्धयै स्वाहा । ॐ यं यमूलिकप्रसिद्धायै । मूलमन्त्रः ।
श्रीं ह्रीं यंयमूलभवानीश्रियै स्वाहा ३०० ॥ ॐ भद्रकृपा
रूपे अष्टपत्रमयी नवकोणमयी भद्रे सर्व
मयी षडक्षरमयी त्रिकूटत्रिकूटमयी । ॐ नव
कुवनसृंगी विराजयिनी सूर्याभिसूर्यां विद्धे भुक्त
सृष्टि विकाभिसृष्टि भक्तयः पिलंत्रभक्तयः ॥
ॐ श्रीं यमूलयै । नमः यत्रे । ॐ श्रीं श्रीविद्यकेमात्रे ।

क्लींवींवद्रकपमित्रायै। ॐ स्रीवज्रविद्रेश्वाय। ॐ स्रीग
भ्रः वज्रायै। ॐ स्रीक्लींरंवग्हे। ॐ स्रीक्लींवकवल्हिये।
ॐ रंभ्रः ॐ स्रीवगन्धुगवज्रमयैश्वाय। ॐ स्रींवींस्रींरं
क्लींवज्रोंप्रमृदवल्लूरो। ०: ॐ स्रींस्रींहिंश्रफहेंश्वाय।
ॐ ह्रींश्रफप्रमित्रायै। ॐ स्रीरंक्लीर्ङ्रुह्रुं। ॐ ॐक्लीं
ङक्रुप्रमित्रायै। ॐ स्रीक्लींङड्रिन्यैश्वाय। ॐ स्रीङंङ
कुमापन्यै। ॐ रंङ्नभमनठयै। ॐ रंक्लींङुक्रुपल्लठयै।
ॐ स्रीगभ्रः ङठन्हे। ॐ स्रींस्रुप्रमित्रायै। ॐ श्रहे।
क्लींकङ्गङे। भिंभेहे। स्रींरंक्लींभ्रुङ्श्रियांरमयै। ॐ
भीपनमयक्रुदे। ॐ भीभीस्रींरंक्लींपमविवाचिनी
पुमन्तुये। ॐ स्रीस्रींङंङ्रुलीभ्रुये। ॐ स्रीस्रींक्रुस्व
भुनाये। ॐ स्रींङुङङ्गिहिरुवनाविडङ्डुलाये श्वाय
ॐ स्रीद्भ्रः स्रीङिमत्रायै। ॐ स्रीमठायै। स्रीभस्वदे।
ॐ स्रीपचवभ्रहे। ॐ स्रीॐ स्रींपचवनभितीस्रीॐमत्रा
ये श्वाय। ॐ रंभद्रुपुभ्रुमित्रायै। ॐ क्लींरंक्लींभ्रः
भटश्रियाभट्टभद्रन्यैश्वाय। ॐ स्रींभनतुनायैश्वा
य। ॐ स्रींभगनमायिदे। ॐ क्लींसंमन्त्रिकये। रंभ्रः
मद्रुभङ्गलभट्टणाये। ॐ स्रीमकमठाये। ॐ स्रींस्रीम

१०

[illegible]

ॐ ह्रीं पद्मिनीपद्मप्रभायै। ३। ॐ ह्रीं पद्मपत्रायै।
ॐ श्रीं पद्मोद्भवमालाधारिण्यै। ॐ ह्रीं पद्मगन्धे श्रीं प
द्मायै। ॐ ह्रीं पद्मनेत्रायै। ॐ ह्रीं पद्मप्रियायै। ॐ
ह्रीं पद्मावत्यै। ॐ पद्मप्रियायै। ॐ ह्रीं ॐ पद्म
पद्ममुखायै। ॐ सर्वायै स्वाहा। ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं सर्व
दायै। ३। ॐ श्रीं सर्वगायै स्वाहा। ॐ ह्रीं सर्वपापहरे।
ॐ ह्रीं सर्वमङ्गलमाङ्गल्ये। ॐ सर्वसौभाग्यदायिन्यै। ॐ
श्रीं सर्वसम्पत्प्रदे। ॐ ह्रीं सर्वकामप्रदायै। ॐ ह्रीं स
र्वरक्षायै स्वाहा। ॐ श्रीं ह्रीं सर्वसिद्धिदे। ॐ ह्रीं श्रीं
सुखदायै। [illegible] ॐ ह्रीं सर्वमङ्गलाय
[illegible] स्वाहा ३.. ॥ ॐ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॐ ॐ ह्रीं श्रीं [illegible] स्वाहा।
ॐ श्रीं [illegible]। ॐ श्रीं [illegible]।
[illegible]। ॐ ह्रीं श्रीं [illegible]। ॐ ह्रीं श्रीं
[illegible]। ॐ श्रीं [illegible] स्वाहा। ॐ श्रीं [illegible]

ॐ ऐं नमः भवमुक्त्यै। ॐ ह्रीं कल्पवृक्षाधिष्ठान्यै। ॐ श्रीं मङ्गल
कल्याण्यै। १। ॐ ऐं क्लीं पशुपालिन्यै। ॐ श्रीं शिव
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] 𑆱𑆑𑆬 [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ ॥